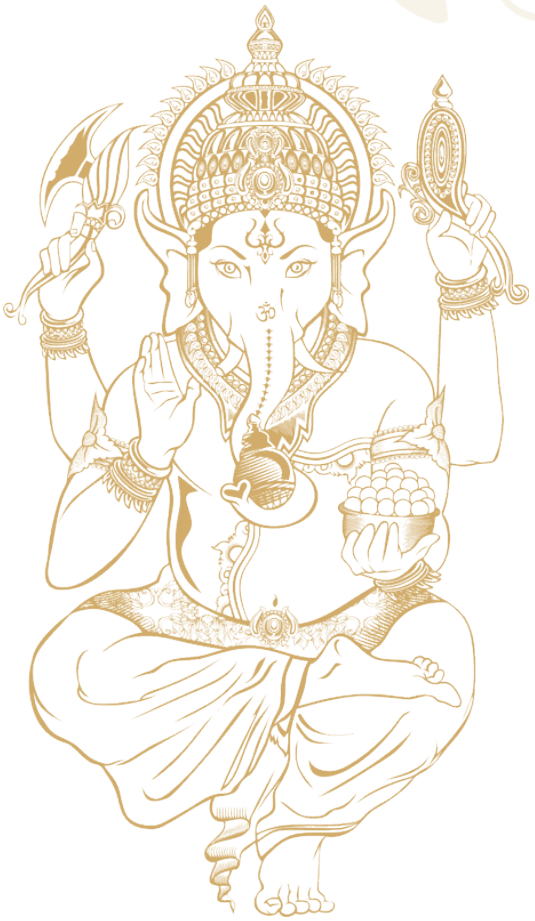

Nikhil

Pallavi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119224304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13-14/01/1999	जन्म तिथि	06/10/2002
बुध-गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 05:16:00	जन्म समय	20:30:00 घंटे
घटी 55:01:16	जन्म समय(घटी)	35:33:13 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:29	सूर्योदय	06:16:42
17:44:52	सूर्यास्त	18:01:37
23:50:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:27

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 16वर्ष 0मा 26दि	29:50:45	वृश्चि	लग्न	वृष	07:16:28	चन्द्र 1वर्ष 4मा 13दि
शुक्र	29:30:05	धनु	सूर्य	कन्या	19:17:35	राहु
08/02/2022	17:23:42	वृश्चि	चंद्र	कन्या	21:30:25	18/02/2011
08/02/2042	00:44:15	तुला	मंगल	कन्या	00:18:07	18/02/2029
शुक्र 10/06/2025	16:30:43	धनु	बुध व	कन्या	04:25:56	राहु 01/11/2013
सूर्य 10/06/2026	00:11:13	मीन	गुरु	कर्क	19:08:32	गुरु 26/03/2016
चन्द्र 09/02/2028	17:48:43	मक	शुक्र	तुला	21:23:24	शनि 31/01/2019
मंगल 10/04/2029	03:08:39	मेष	शनि	मिथु	05:10:19	बुध 20/08/2021
राहु 10/04/2032	28:37:44	कर्क व	राहु व	वृष	16:22:49	केतु 07/09/2022
गुरु 10/12/2034	28:37:44	मक व	केतु व	वृश्चि	16:22:49	शुक्र 07/09/2025
शनि 08/02/2038	17:49:14	मक	हर्ष व	कुंभ	01:21:00	सूर्य 02/08/2026
बुध 09/12/2040	07:41:52	मक	नेप व	मक	14:21:27	चन्द्र 31/01/2028
केतु 08/02/2042	15:41:57	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:28:03	मंगल 18/02/2029

लग्न-चलित

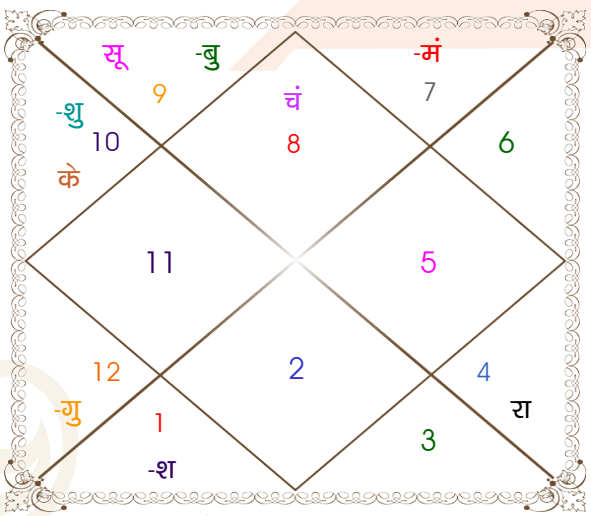

लग्न-चलित

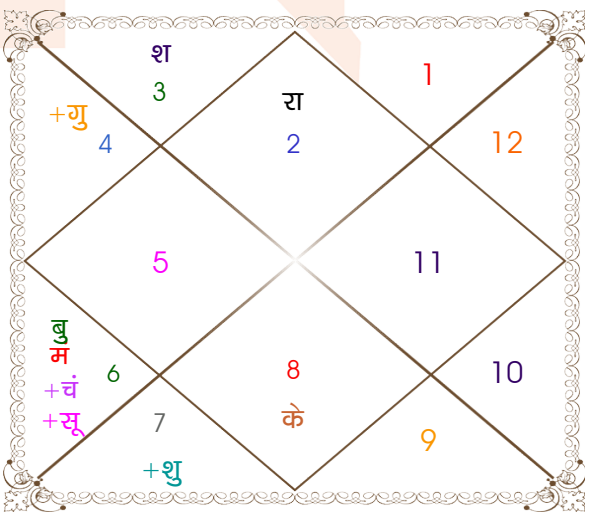

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

छपीपस का वर्ग सर्प है तथा च्ंससंअप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छपीपस और च्ंससंअप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

छपीपस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल छपीपस कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्ंससंअप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

छपीपस तथा च्ंससंअप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।